जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 69 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 9 जनवरी, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

राजनीतिक पार्टियां अब अपना ''डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर'' सुदृढ़ करने में जुटीं

जैसा कि विदित ही है, चुनाव आयोग ने 15 जनवरी तक राजनीतिक रैलियों, आमसभाओं आदि पर रोक लगायी है, अतः डिजिटल मीडिया की अहमियत बहुत बढ़ गयी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। चुनाव की तिथियों की घोषणा तथा 15 जनवरी तक राजनैतिक सभाएं न करने के चुनाव आयोग के निर्देशों के बाद, बड़े राजनैतिक दलों के नेतागण उत्तर प्रदेश तथा अन्य चुनावाधीन राज्यों में अपना डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तेजी से बढ़ाने में लग गये हैं।

कोविड-19 की तीसरी लहर के उभरते हुये खतरे को मद्देनजर रखते हुये सभा और समारोह रद्द कर देने की स्वैच्छिक घोषणा के बाद, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा आज अपने सोशल मीडिया पेजों पर लाइव आ गई तथा उन्होंने अपने ''लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ'' अभियान पर अपनी बात कही।

भाजपा, जो सोशल मीडिया के खेल में अन्य पार्टियों से बहुत आगे हैं, ने भी अखबारों में पूरे एवं आधे पृष्ठों के ऐसे विज्ञापनों के ढ़ेर लगा दिये हैं, जो उसके अभियान से जुड़े विषयों को

- **यह सभी स्वीकार कर रहे हैं कि, भाजपा डिजिटल मीडिया के उपयोग में सभी पार्टियों से बहुत आगे है, हालांकि कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी भी ''लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ'' के तहत सोशल मीडिया पेज पर सक्रिय हो गयी हैं।**
- **पर, बसपा इस माध्यम के उपयोग में सबसे फिसड्डी है।**
- **सपा नेता अखिलेश यादव तो चुनाव आयोग से आर्थिक मदद डिमाण्ड कर रहे हैं, क्योंकि अखिलेश के अनुसार सभी पार्टियों को ''लैवल प्लेयिंग फील्ड'' उपलब्ध करवाना जरूरी है, चुनाव की दृष्टि से, नहीं तो इस क्षेत्र में भाजपा का पलड़ा अन्य पार्टियों की तुलना में बहुत भारी रहेगा।**

धमाके के साथ प्रस्तुत करने वाले हैं, जैसे ''डबल इंजन की सरकार'', ''सोच ईमानदार'', ''काम दमदार'' तथा ''फर्क साफ है।'' आने वाले दिनों में पार्टी वर्चुअल सभाएं आयोजित करने के लिये 3डी तकनीक को ज्यादा से ज्यादा काम में लेगी। पार्टी राज्य के 1.5 लाख मतदान केन्द्रों में से प्रत्येक में अपने वॉट्सऐप ग्रुप पहले ही बना चुकी है। इस बीच, समाजवादी पार्टी ने राज्य के 403 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक क्षेत्र में पार्टी के वाट्सऐप ग्रुपों में शामिल होने के लिये लोगों को आमंत्रित करने के लिये लिंक्स ट्वीट कर दिये हैं। बसपा फेसबुक पर डॉ. सतीश चन्द्र मिश्रा की रैलियाँ प्रस्तुत कर रही हैं किन्तु इसके अलावा, वह सोशल मीडिया पर फिसड्डी ही दिखाई दे रही है।

चुनाव आयोग द्वारा चुनाव तिथियों की घोषणा किये जाने के तुरन्त बाद, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वे चुनाव आयोग से फंड देने की माँग करेंगे, ताकि बढ़ते हुये कोविड-19 केसों के बीच राजनैतिक दल बेहतर डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा, ''भाजपा के पास तो लम्बे समय से मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर है, लेकिन चुनाव आयोग से निवेदन करेंगे कि वह अन्य दलों के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करे, जिससे इस मामले में सभी दलों की स्थिति करीब-करीब समान हो जाये।

सपा प्रमुख ने राज्य के सूचना-विभाग पर भी प्रहार किया तथा कहा कि वह अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर भाजपा के ''फर्क साफ है'' अभियान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोई सक्षम व्यक्ति नहीं जो गृह मंत्री का काम कर सके'

जयपुर/जैसलमेर, 7 जनवरी (का.सं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि राजस्थान में बीते तीन सालों में 5164 हत्याएं, 17 हजार 644 बलात्कार, 22 हजार 9 अपहरण, 19 हजार 800 नकबजनी, 4061 लूट, 6070 हत्या के प्रयास और एक लाख 4 हजार 383 चोरियां हुईं।

- **डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि राजस्थान में बीते तीन सालों में 5164 हत्याएं, 17 हजार 644 बलात्कार, 22 हजार 9 अपहरण, 19 हजार 800 नकबजनी, 4061 लूट, 6070 हत्या के प्रयास और एक लाख 4 हजार 383 चोरियां हुईं।**

उन्होंने जैसलमेर में पत्रकारों से बातचीत कर अपराधों का यह आंकड़ा गिनाया।

पूनिया ने कहा कि गहलोत सरकार के तीन साल के कार्यकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था बेहद बिगड़ी है।

राजस्थान में यह अब तक का सर्वाधिक बड़ा आपराधिक आंकड़ा है। कांग्रेस के पास कोई सक्षम व्यक्ति नहीं है जो गृहमंत्री का काम कर सके।

'चीन ने ''सेफ व सुरक्षित'' विन्टर ओलम्पिक्स आयोजित करने पर पूरा जोर लगाया'

डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा चीन के इस प्रयास की सराहना करने से चीन का मनोबल बढ़ा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। ऐसे वक्त में जबकि दुनियाभर के लोगों के सिर पर ओमक्रॉन रूपी तलवार लटक रही है, चीन यह सुनिश्चित करने के लिए जी-जान लड़ा रहा है कि राजधानी बीजिंग में अगले माह विन्टर ओलम्पिक्स का अगले माह एक सुरक्षित व सकारात्मक तरीके से आयोजन हो जाए।

आगामी 4 फरवरी से शुरू होने वाले इन खेलों को संचालित करने की बीजिंग की दृढ़ इच्छाशक्ति वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के इस कथन से और मजबूत हुई है कि ''इनकी सुरक्षित मेजबानी की तमाम योजनाओं पर काम चल रहा है।''

- **चीन किसी भी हद तक जाने को तैयार है शीतकालीन ओलम्पिक के शानदार आयोजन के लिये।**
- **पर, अमेरिका व उसके मित्र देश चीन के विन्टर ओलम्पिक के आयोजन को ज्यादा महत्व देने को तैयार नहीं।**
- **टोक्यो में आयोजित समर ओलम्पिक्स में अमेरिका ने खिलाड़ियों के अलावा एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमण्डल भी भेजा था, जिसका नेतृत्व अमेरिका के राष्ट्रपति की पत्नी ने किया था।**
- **चीन ने ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, अब चीन शीतकालीन ओलम्पिक में भी अपने प्रदर्शन की पहली बार छाप छोड़ने के लिए लालायित है।**

लेकिन इनके आयोजन को लेकर सभी देश सहमत नहीं हैं, खासतौर पर अमेरिका तो बिल्कुल नहीं। वाइट हाउस ने गत दिसम्बर माह में घोषणा की थी कि चीन के चिंताजनक मानवाधिकार रिकॉर्ड को देखते हुए वह अपने राजनयिकों को बीजिंग नहीं भेजेगा, तथापि उसने कहा था कि अमेरिका के एथलीट्स वहां जा सकेंगे और उन्हें सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।

ओलंपिक खेलों में अमेरिका और अन्य देशों के उच्च स्तरीय सरकारी प्रतिनिधि प्राय: उपस्थित रहते हैं। अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडन ने टोक्यो में आयोजित समर ओलम्पिक्स में अमेरिकी प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व किया था।

वाइट हाउस की प्रैस सचिव जेन साकी के अनुसार अमेरिका इस ओलम्पिक के धूमधड़ाके के में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उनका देश वर्ष 2022 के खेलों के लिए अपना अधिकारिक प्रतिनिधिमण्डल नहीं भेज रहा है। यह अपने आप में एक स्पष्ट संदेश है।

उन्होंने कहा कि ''शिन्जियांग में अत्याचारों और मानवाधिकारों के प्रबल उल्लंघनों को देखते हुए अमेरिका के राजनयिक या उसका अधिकारिक प्रतिनिधिमण्डल इन खेलों को साधारण तौर पर लेते और हम ऐसा बिल्कुल नहीं कर सकते।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलकाता में हर दूसरे व्यक्ति को करोना?

कोलकाता, 8 जनवरी। देश के कई राज्यों में करोना की तीसरी लहर कहर बरपाने लगी है। कोलकाता में हर दूसरा व्यक्ति करोना संक्रमित मिल रहा है। महानगर में संक्रमण दर बढ़कर 53.1 फीसदी हो गई है।

पश्चिम बंगाल के राजधानी शहर में बीते 24 घंटे में 7484 नए कोविड-19 मरीज मिले। यह संख्या राज्य के सभी जिलों में इस दौरान

- **कोलकाता में करोना टैस्ट कराने वाला हर दूसरा व्यक्ति कोविड पॉज़िटिव निकल रहा है।**

मरीजों की तुलना में सर्वाधिक है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटे में कुल 18,212 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की संक्रमण दर बढ़कर 26.21 हो गई है। शुक्रवार को राज्य में 69,158 टैस्ट किए गए थे, इनमें से 18,212

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बयाना में वीरेश भावरा को पंजाब का डीजीपी बनाए जाने पर हर्ष का माहौल

बयाना 8 जनवरी, (निस)। बयाना निवासी वीरेश भावरा को पंजाब का नया डीजीपी बनाए जाने पर उनके परिवार व कस्बे में हर्ष का महौल है। कई लोगों ने आतिशबाजी कर व मिष्ठान वितरित कर

- **भावरा की पत्नी भी आई.ए.एस. अधिकारी हैं।**
- **वीरेश भावरा वरिष्ठ अधिवक्ता व स्वतंत्रता सेनानी रहे गोपालराम भावरा के ज्येष्ठ पुत्र हैं।**

इसकी खुशी जताई। वीरेश भावरा वरिष्ठ अधिवक्ता व स्वतंत्रता सेनानी रहे गोपालराम भावरा के ज्येष्ठ पुत्र है। इससे पूर्व वह पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात थे।

वीरेश भावरा

वीरेश भावरा 1987 बैच के आईपीएस अफसर है।

शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने उनके नाम को स्वीकृति देते हुए उन्हें पंजाब की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी। वीरेश भावरा के 8 साल सहपाठी रहे वरिष्ठ पत्रकार राजीव झालानी ने बताया कि वीरेश भावरा बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। अंग्रेजी, गणित व विज्ञान विषय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टेशन डवलपमैंट फीस

नई दिल्ली, 8 जनवरी। रेल का सफर जल्द ही महंगा होने वाला है। ट्रेन में टिकट बुक करने के लिए 50 रुपए तक ज्यादा देने होंगे। रेल मंत्रालय ने नए सिरे से विकसित किए गए रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन डेवलपमेंट फीस (एस.डी.एफ.) वसूलने का फैसला किया है। रेलवे के मुताबिक यह फीस अलग-अलग क्लास से यात्रियों के लिए अलग-

- **अब रेल टिकट पर यात्रियों से स्टेशन डवलपमैंट फीस भी वसूल करेगा रेलवे।**

अलग होगी। उपनगरीय और सीजन टिकट को इससे अलग रखा गया है। यह फीस उस स्टेशन से रेल में चढ़ने और उस स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों से वसूली जाएगी। हालांकि ये किन स्टेशनों के लिए और कब से लागू होगा इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है।

इसके तहत जिन रेलवे स्टेशनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में पिछले 24 घंटे में करोना के 20181 नए मामले

नई दिल्ली 8 जनवरी (वार्ता)। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में करोना के 20,181 नए मामले सामने आए हैं जबकि संक्रमण दर 19.60 प्रतिशत है।

दिल्ली सरकार की ओर से शनिवार को जारी आँकड़े के अनुसार पिछले 24 घंटे में करोना के 20,181 नए मामले सामने आए हैं जबकि संक्रमण दर 19.60 प्रतिशत है। इस दौरान सात लोगों की मौत हुई है।

उन्होंने कहा कि पिछले चौबीस घंटे में 1,02,965 लोगों के टेस्ट किए गए जिनमें से 20,181 लोग संक्रमित पाए गए हैं। करोना संक्रमित 25,909 लोग घर में आइशोलेशन में हैं जबकि 1,480 लोगों का अस्पताल में इलाज हो रहा है।

दिल्ली में बढ़ रहे करोना के खतरे को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएम) की सोमवार को बैठक होगी जिसमें हालातों को देखते हुए कुछ और कड़े फैसले लिये जा सकते हैं। इससे पहले मंगलवार को डीडीएमए की बैठक हुई थी जिसमें वीकेंड कर्फ्यू लगाने की घोषणा की गई

- **शनिवार को करीब एक लाख लोगों के करोना टैस्ट किये गये जिनमें से 20 हजार से अधिक लोग कोविड पॉजिटिव पाये गये हैं।**
- **दिल्ली में बढ़ रहे करोना के खतरे को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएम) की सोमवार को बैठक होगी जिसमें हालातों को देखते हुए कुछ और कड़े फैसले लिये जा सकते हैं।**

थी। वीकेंड कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों और जरुरी सामानों को छोड़ सोमवार सुबह पांच बजे तक सबकुछ बंद रहेगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि केजरीवाल सरकार ने अपने 14 अस्पतालों में करोना के मरीजों के लिए कुल 5,650 कोविड बेड और 2,075 आईसीयू बेड बढ़ाने का निर्णय लिया है।

जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार अपनी सारी व्यवस्था को पहले से ही दुरुस्त किए हुए है। हालात अभी सामान्य है। इसलिए दिल्ली सरकार अपनी पूरी तैयारी जोर शोर से कर रही है, ताकि हालात को बिगड़ने ही न दिया जाए। सरकार ने अपने 14 अस्पतालों में करोना के मरीजों के लिए कुल 5,650 कोविड बेड और 2,075 आईसीयू बेड बढ़ाने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दिल्ली के अस्पतालों में लगभग 13,300 बेड अभी भी मरीजों के लिए उपलब्ध हैं। करोना की इस लहर में मरीज बहुत कम भर्ती हो रहे हैं, परन्तु हमने दिल्ली में स्थिति को काबू में रखने के लिए अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या में इजाफा करने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार अपनी ओर से गंभीर से गंभीर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है और करोना की इस लहर के रोकथाम तथा सभी प्रदेश वासियों को वव्रत पर सही इलाज प्रदान करने के लिए सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि आठ कोविड केयर सेंटर में 2,800 बेड बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इनमें सरदार वल्लभाई पटेल कोविड केयर सेंटर राधा स्वामी ब्यास छत्तरपुर (1,000 बेड), संत निरंकारी कोविड केयर सेंटर (500 बेड), सी डब्लू जी कॉम्प्लेक्स, अक्षरधाम (400 बेड), यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सूरजमल विहार (400 बेड), जीटीबी डेम ब्लॉक (200 बेड), चौ ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेदिक चरक संस्थान (100 बेड), ए यू तिब्बिए कॉलेज हॉस्पिटल (100 बेंड) और शहनाई बैंक्वेट हॉल (100 बेड) शामिल हैं। जैन ने लोगों से करोना से जुड़े नियमों का पालन करने का आग्रह करते हुए कहा कि केवल सावधानी ही इसका असल बचाव है। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक जगहों पर जाते वव्रत स्वास्थ सुरक्षा के लिए मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का निवेदन किया है।

दस मार्च को 690 विधानसभा सीटों के नतीजे आने से तय होगा, मोदी पर कितना विश्वास बाकी है जनता का

यू.पी. की 403 सीटों पर सात चरणों में मतदान सात मार्च तक पूरा होगा, पर भाजपा के मु.मंत्री की स्थिति संघर्षमय है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। चुनाव आयोग ने गोवा, पंजाब, मणिपुर, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम आज घोषित कर दिया। उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण के चुनाव 10 फरवरी को होंगे तथा सभी पाँच राज्यों के चुनाव परिणाम 10 मार्च को घोषित किये जायेंगे।

10 मार्च को घोषित होने वाले ये चुनाव परिणाम जनता के मूड का संकेत देंगे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का एक महत्वपूर्ण टैस्ट होंगे। ये चुनाव परिणाम इस बात का भी संकेत देंगे कि उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त है या नहीं तथा क्या वे पार्टी की

- **पंजाब की 117 सीटों पर भाजपा की हालत खस्ता है तथा संघर्ष कांग्रेस व आप के बीच माना जाता है।**
- **उत्तराखण्ड में भी भाजपा को कांग्रेस की मजबूत चुनौती है तथा भाजपा द्वारा तीन बार मु.मंत्री बदलना, मजबूती की निशानी नहीं मानी जा सकती।**
- **मणिपुर में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस व तृणमूल भी कमजोर स्थिति में हैं।**
- **गोवा में कोविड के प्रकोप के कारण चुनाव अभियान कमजोर रहने की आशंका है।**

जीत के मुख्य कर्णधार हैं।

इसके साथ ही ये परिणाम कांग्रेस, जिसकी राजनैतिक किस्मत निम्नतम स्तर तक पहुँच चुकी है, के लिये भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह उत्तर प्रदेश में राजनैतिक जमीन तलाश करने के लिये पूरी कोशिश कर रही है। वहाँ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो साल से अधिक समय से कड़ी मेहनत कर रही हैं ताकि पार्टी राज्य की राजनीति में प्रासंगिक व महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरकर आ सके।

उधर राज्य के मुख्यमंत्री का राजनैतिक भविष्य भी दाँव पर लगा हुआ है, क्योंकि सत्ता में बने रहने में विफल रहने पर मोदी की जगह पार्टी का मुख्य स्टार बनने के उनके सपने का अंत हो जायेगा और वे पार्टी का ध्रुव तारा नहीं बन पायेंगे। मोदी और योगी के बीच अंदरूनी तनाव एवं आंतरिक अनबन की स्थिति है, भले ही ये दोनों लोग आपसी विरोध को छिपाने की अपने-अपने स्तर पर पूरी कोशिश कर रहे हैं।

सभी उपलब्ध संकेतों के अनुसार,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड में पांच साल में भाजपा ने बदले तीन मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 8 जनवरी (वार्ता) उत्तराखंड की 70 सीटों वाली विधानसभा के लिए फरवरी 2017 में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 56 सीटें जीतकर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था। कांग्रेस को 11 सीटें मिली थीं और दो सीटें अन्य के खाते में गयी थीं। भाजपा ने वहां अपनी सरकार के पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदले। पार्टी ने चुनाव जीतने के बाद त्रिवेंद्र सिंह रावत को सरकार की कमान सौंपी थी। उन्हें बदलकर मार्च 2021 में तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया। पार्टी आलाकमान ने चार महीने बाद ही चार जुलाई 2021 को पुष्कर सिंह धामी को सरकार की बाग डोर सौंपी। विश्लेषकों के अनुसार विधानसभा चुनाव वाले साल में भाजपा नेतृत्व की जल्दी-जल्दी दो बार मुख्यमंत्री बदलने का प्रयोग सरकार के प्रति मतदाताओं की नाराजगी को कम करने की पार्टी की रणनीति का हिस्सा है। करीब दो दशक पहले गठित इस प्रदेश में ऐतिहासिक रूप से मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता रहा है।

जम्मू कश्मीर में पत्रकार गिरफ्तार

श्रीनगर 8 जनवरी (वार्ता)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में पुलिस ने शुक्रवार को एक कश्मीरी पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया।

पत्रकारिता के छात्र सज्जाद गुल, हाल ही में एक प्रशिक्षु संवाददाता के रूप में ऑनलाइन न्यूजपोर्टल 'द कश्मीर वाला' में शामिल हुआ था। उसे हाजिन में लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर की हत्या के विरोध में सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके रिश्तेदारों के अनुसार सज्जाद को पांच जनवरी को हिरासत में लिया गया था और बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

'द कश्मीर वाला' के अनुसार सज्जाद पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (आपराधिक साजिश में शामिल होने), 153बी (राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा), और 505 बी (जनता के लिए भय) के तहत आरोप लगाया गया है।

'द कश्मीर वाला' के संपादक फहद शाह ने गुल की तत्काल रिहाई की मांग की है। पुलिस ने कहा, सज्जाद हमेशा 'विवादास्पद बयान' ट्वीट करता है और जनता को उकसाने के बाद, उन्हें हटा देता है. वह इस तरह क्षेत्र की शांति बाधित करने वाली शरारती गतिविधियों में शामिल होता है।

इस संबंध में कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, वह तथाकथित पत्रकार सज्जाद गुल के नाम से एक ट्विटर अकाउंट चलाता है, जो हमेशा सरकार विरोधी समाचारों की तलाश में रहता है और ऐसे ट्वीट अपलोड करता है, जो लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काने और राष्ट्र के प्रति लोगों में दुश्मनी फैलाने वाले होते हैं। उसके ट्वीट तथ्यों पर आधारित नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल उसके खिलाफ अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी, जिसमें उसने स्थानीय लोगों को उस अभियान के खिलाफ उकसाया था। उन्होंने कहा,जिस दिन श्रीनगर के शालीमार में मोस्ट वांटेड आतंकवादी सलीम पारे मारा गया था, उस दिन हाजिन में राष्ट्र विरोधी नारों के वीडियो अपलोड किए गए थे, जिससे शांति भंग करने की कोशिश की जा रही थी। सज्जाद की गतिविधियां देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरनाक हैं। सज्जाद की गिरफ्तारी की विभिन्न राजनीतिक दलों ने आलोचना की है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने सज्जाद की गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।

सुश्री महबूबा ने ट्वीट किया, जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के लिए लागू कानूनों का एक अलग सेट है। खुलेआम मुसलमानों के नरसंहार का आ ान करने वाले कट्टरपंथी समूह खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि राज्य प्रायोजित मानवाधिकारों का उल्लंघन उजागर करने वाले कश्मीरी पत्रकार जेल में हैं।